

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
हरिद्वार /उत्तरकाशी/पौड़ी/अल्मोड़ा ।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक : 19 अक्टूबर, 2005

विषय: परिवार कल्याण उपकेन्द्रों के भवनों के निर्माण कार्य की स्वीकृति महोदय,

उपर्युक्त विषयक महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पत्र सं0- 7प /1/ उपकेन्द्र/29/2005/20402 दिनांक 31.08.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में संलग्न सूची में उल्लिखित 15 परिवार कल्याण उपकेन्द्रों के भवनों के निर्माण कार्य हेतु रू0 89,60,000.00(रू0 नवासी लाख साठ हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में संलग्नानुसार रू0 89,60,000.00(रू0 नवासी लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

- 1- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी ।
- 2- कार्य कराते समय लो0 नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा ।
- 3- भूमि उपलब्ध होने के पश्चात ही धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम को उपलब्ध करायी जायेगी । स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।
- 4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।



5- आगणन में उल्लेखित दरों कर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों में जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, की स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा ।

6-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय ।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।

9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करे ।

10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले । निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये ।

11- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय । निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।

12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी । यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है

13- निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी ।

14- निर्माण कार्य से पूर्व नीव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नीव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।

15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े ।

16- उक्त व्यय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत, 02-ग्रामीण

A

स्वास्थ्य सेवायें, 101-स्वास्थ्य उपकेन्द्र, 91- जिला योजना, 9101- उपकेन्द्रों के भवनो
कर निर्माण (जिला योजना), 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

17- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 07 /वित्त अनुभाग-3/2005 दिनांक
15.10.2005 मे प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय,

(अतर सिंह)

उप सचिव

सं0-368(1)/XXV111-4-2005-43/2005 तदुदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून ।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल ,देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, हरिद्वार /उत्तरकाशी/पौड़ी/अल्मोड़ा ।
- 5- महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तरांचल ,देहरादून ।
- 6- परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम ।
- 7- निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री ।
- 8- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
- 9- वित्त अनुभाग-2/ नियोजन विभाग / एन आई सी ।
- 10- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

उप सचिव

(धनराशि रू० लाख में)

क्र०सं०	कार्य का नाम	जनपद	निर्माण इकाई	प्रशासनिक/ वित्तीय स्वीकृति	स्वीकृत धनराशि
1	भलस्वागाज	हरिद्वार	पे०ज०नि०	4.55	4.55
2	राजपुर	हरिद्वार	पे०ज०नि०	4.77	4.77
3	श्यामपुर	हरिद्वार	पे०ज०नि०	4.70	4.70
4	खालातीरा	हरिद्वार	पे०ज०नि०	4.70	4.70
5	एक्कडकला	हरिद्वार	पे०ज०नि०	4.70	4.70
6	खालसी	उत्तराकाशी	पे०ज०नि०	8.05	8.05
7	चिपलघाट	पौड़ी	पे०ज०नि०	7.05	7.05
8	तिमलसैण	पौड़ी	पे०ज०नि०	6.70	6.70
9	भट्टीसेरा	पौड़ी	पे०ज०नि०	7.30	7.30
10	देवीखाल	पौड़ी	पे०ज०नि०	6.65	6.65
11	बमेली	अल्मोड़ा	पे०ज०नि०	6.35	6.35
12	दुधोली	अल्मोड़ा	पे०ज०नि०	6.13	6.13
13	मझेड़ा	अल्मोड़ा	पे०ज०नि०	5.65	5.65
14	महाकालेश्वर	अल्मोड़ा	पे०ज०नि०	6.30	6.30
15	कबडोला	अल्मोड़ा	पे०ज०नि०	6.00	6.00
महायोग				89.60	89.60



(अतर सिंह)

उप सचिव